1. प्रार्थना

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

गहन सोच

यदि ईश्वर उसे वरदान देना चाहे तो उनसे सदवुद्धि और अच्छे संस्कार मागूँगा वो इसलिए क्योंकि अपने सदवुद्धि तथा अच्छे संस्कारों से अच्छे-अच्छे सद्विचार रखूँगा और लोगों की हमेशा जिस योग्य मैं हूँ सहायता कर सकूँ।

रचनात्मक लेखन

ईश्वर प्रसन्न करने के लिए वरदान देते हैं जिससे कि वो अचूकशक्ति हासिल कर सके।

2. पर्यावरण शिक्षण

कवि देश की हवा और वन को इयलिए निर्मल बनाना चाहते हैं जिससे देश की मिट्टी, जल, हवा, फल-फूल सरस बन सके। शुद्ध और स्वस्थ वातावरण का निर्माण हो सके।

साहित्य सराहना

प्रभु सरस माटी बहन बाट देश घाट

3. ध्वनि विज्ञान

छात्र/छात्राएँ पाठ में दिए गए प्रार्थना के समान ही एक अन्य प्रार्थना चार्ट पेपर लिखे तथा सुर और लय के साथ गायन कीजिए।

2. स्वच्छता

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

रचनात्मक लेखन

वहीं मैं राजू की तरह दाँतों की सफाई करने में कोई भी लापरवाही नहीं करता हूँ बल्कि मैं अपने दातों की सफाई नियमित समय से प्रातः काल उठने के बाद भली प्रकार से सफाई करता हूँ।

गहन सोच

भोजन करने के पश्चात हमारे दाँतों में अन्न कं कुछ कण फँसे रह जाते हैं अगर दाँत को अच्छे से साफ न किया जाए तो वो दाँतों कं बीच में गंदगी के कारण सड़न पैदा कर देते हैं जिससे मुँह में दुर्गंध आने लगती है। यदि मेरे कक्षा में किसी छात्र के मुँह से दुर्गंध आएगी तो उससे उसको अपनी दाँतों की साफ-सफाई का निर्देश दूँगा कि वो भोजन करने के पश्चात् नियमित रूप से प्रतिदिन अपने दाँतों की साफ-सफाई करें जिससे उसके दाँतों के बीच में भोजन के कण फँस न सके और मुँह से दुर्गंध न आए। उसको मैं अपनी यह सलाह दूँगा।

2. स्वास्थ्य शिक्षा

पहला सुरत निरोगी काया है। क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए निम्न बातों का विशेष घ्यान रखें-

(1) नियमित व्यायाम करें।

(2) सही भोजन का सेवन करें।

(3) पर्याप्त पानी पिंए।

(4) घ्यान करें।

(5) नियमित रूप से डॉक्टर के पास जाएँ।

(6) स्वस्थ वजन बनाए रखें।

(7) कुछ लक्ष्य निर्धारित करें।

(8) रात में पर्याप्त नींद लें।

(9) शराब का सेवन न करें।

(10) तंबाकू से दूर रहें।

(11) घर का खाना खाएँ।

(12) स्वस्थ स्नैक का सेवन करें।

(13) अपने लिए कुछ वक्त निकालें।

(14) खुश रहें।

3. अनुभवात्मक अधिगम

(1) दाँत (2) कमर (3) माथा (4) कंधा (5) पेट

(6) एड़ी (7) सर (8) कान

3. चतुर खरगोश

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

- ❖ खरगोश जमीन के अंदर सोने के लिए बिल बनाते हैं।
- ❖ हाथियों को पानी बहुत पसंद होता है। ये पानी बहुत पीते हैं और नहाते समय अपनी सूँड से अपने ऊपर पानी डालते रहते हैं। असलिए हाथियों को पानी पसंद होता है।

गहन सोच

हाँ अत्यधिक बलशाली होना ही हाथियों को शरारत के लिए प्रेरित करता है इसलिए हाथी हमेशा मस्ती में मदमस्त रहते हैं।

2. क्रॉसकरिकुलर लर्निंग

अस्तबल

गुफ़ा

दरबा

पेड़

बिल

3. कला समेकन

छात्र छात्राएँ खरगोश का चित्र बनाकर उसमें रंग भरें।

4. चाँद का झिंगोला

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) ठंड से बचने के लिए में सरदियों के कपड़े पहना करता हूँ। कान में टोपी हाथ में दस्ताने तथा पैसों में गरम मोजे पहनता हँ। आग से या रूम हीटर से अपने शरीर को गर्म रखता हूँ।

(ख) अत्यधिक ठंड पड़ने से झिंगोला से नहीं बचा सकता है क्योंकि चाँद का आकार दिन-प्रतिदन घटता बढ़ता रहता है इस अत्यधिक ठंड नड़ने पर झिंगोला से बच पाना मुश्किल है।

गहन सोच

किसी भी चीज को पाने के लिए अपने माता-पिता से जिद्द करना अच्छी बात नहीं है क्योंकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को घ्यान में रखते आपकी जरूरतों को पूरा करते हैं प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चों की जरूरतमंद आवश्यकता को पूरा करना चाहते हैं अत: किसी भी चीज को पाने के लिए माता-पिता से जिद्द करना अच्छी बात नहीं हैं। मैं भी अपने माता-पिता से किसी भी चीज केलिए हठ नहीं करता हूँ।

2. समस्या समाधान

(क) चंद्रमा ग्रह का एक उपग्रह है

(ख) महीने में एक बार पूरा चाँद दिखाई देता है।

(ग) अमावस्या को चाँद नहीं दिखाई देता।

3. जीवन-कौयाल एवं मूल्य

यदि हम किसी व्यक्ति को ठंड में सिकुड़ता देखेंगे तो उसे ठंड से बचाव के पहनने के लिए गरम कपड़े देंगे-जैसे स्वेटर, मफलर गरम कोट, दास्ताने यारीर को गरम रखने के लिए आग जलाने की व्यवस्था भी करेंगे।

4. कला समेकन

छात्र छात्राएँ पूर्णिमा के चाँद का चित्र बनाकर रंग भरें।

5. मम्मी की सीख

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

- ❖ हाँ! यह बिल्कुल अक्षरशः ध्रुव सत्य है। चीजों को व्यवस्थित रखने के बदले लाभ है। हमें वस्तु समय पर तथा निर्धारित स्थान पर मिल जाती है। हमें उसके लिए विशेष खोजने पर परेशान होने की आवश्यकता नहीं होती है।
- ❖ सीमा जूते रखकर भूल गई।– यह उसकी लापरवाही का परिणाम है उसे उसकी कोई भी चीज समय तथा निर्धारित स्थान पर नहीं मिलती। क्योंकि सीमा अपना सामान निर्धारित स्थान पर न रखकर इधर–उधर फेंक देती है जिस कारण उसे समय पर अनेकों परेशानी का सामना करना पड़ता है।

  नहीं मुझे भूलने की कोई भी आदत नहीं है क्योंकि मैं अपना सामान व्यवस्थित और निर्धारित स्थान पर रखता हूँ जिससे मुझे मेंरा सामान सही ढंग से और सही स्थान पर मिल जाता है अतः मुझे किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है।

गहन सोच

जूते नहीं मिलने पर या देर से मिलने पर सीमा का हिंदी की परीक्षा देने देर से स्कूल पहुँचती या तो परीक्षा के लिए विद्यालय पहुँचती तो कोई–न–कोई मन गढ़ंत बहाना बना देती।

2. संचार आधारित

छात्र/छात्राएँ कक्षा में ''अपनी स्मरण शक्ति को कैसे बढ़ाया जाए'' विषय पर अपने साथियों से चर्चा करें।

3. जीवन–कौशल व मूल्य

हाँ! सीमा ने अपनी गलतियों को सुधारा लिया। सीमा स्कूल से आकर अपने

जूते ठीक उसी जगह उतार जहाँ मम्मी ने कहा था। जूते उतारने के बाद एसने जुराबें भी सही जगह पर रखीं। यहीं नहीं उसने अपना बस्ता भी अलमारी में सही जगह पर रखा।

हाँ! बिल्कुल मैं अपनी गलतियों को ठीक करने में विश्वास रखते है। क्योंकि गलत किसी से भी हो सकती है और उसे सुधारा भी जा सकता है।

4. कला समेकन

छात्र/छात्रा स्वयं बनाएँ।

6. हीरा और कोयला

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) नहीं! घमंड करना अच्छी बात नहीं है। क्योंकि घमंडी को कोई भी पसंद नहीं करता- न मित्र रिश्तेदार न ही घर-परिवार के लोग ऐसे लोगों को भी पसंद नहीं करता है और नहीं उससे किसी भी प्रकार का संबंध रखना पसंद करते हैं।

(ख) मैं अपने मित्र की अंतरिक सुंदरता देखकर ही उसे अपना मित्र बनाता हूँ न कि रंग-रूप को देखकर मेरे अनुसार मित्र का स्वभाव सरल हृदय नम्र, प्रेमपूर्ण व्यवहार वाला होना चाहिए किसी भी व्यक्ति की सुंदरता एसके आंतरिक गुणों से होती है न कि बाह्य सुंदरता से

गहन सोच

यह बिल्कुल सही बात है कि घमंडी का सर सदैव नीचा हो जाता है क्योंकि घमंडी हमेशा अपनी अकड़ अपने स्वाभिमान में ही हमेशा रहता है वह हमेशा अपनी घमंड में ही बात करता है वह किसी से भी मिल-जुलकर नहीं रहता।

2. भारत का ज्ञान

भारत में कोयले के सबसे बड़े भंडार झारखंड, ओडिसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मघ्यप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश और अरूणाचल प्रदेश में भी कोयला मिलता है।

3. जीवन-कौशल एवं मूल्य

हाँ ये बिल्कुल सही बात है कि कोयला डालकर दूसरों के काम आता है।

हाँ! मैं जिस किसी को भी किसी प्रकार की आवश्यकता होती है समय और आवश्यकता के अनुसार में उपयुक्त समय पर सहायता कर देता हूँ।

4. अनुभव आधारित ज्ञान

छात्र/छात्राएँ इंटरनेटकी सहायता से कोहीनूर हीरे की जानकारी प्राप्त कर इसके बारे में जानकारी लिखें।

7. मयंक का सपना

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) मेरी दृष्टि में किसी भी जीव जंतु को सताना उचित नहीं सर्वथा अनुचित है। बेजुबान जीव-जंतु में भी प्राण होते हैं उन्हें कष्ट पहुँचाना सर्वथा अनुचित है।

(ख) हाँ मैं भी मयेक की तरह गलती को सुधारने में विश्वास रखता हूँ। गलती किसी से भी हो सकती है लेकिन की गई गलती को वापस सुध ारा भी जा सकता है। किसी भी प्राणी-बेजुबान जीव-जंतु को परेशान नहीं करना चाहिए और न ही उन्हें किसी भी प्रकार की पीड़ा पहुँचानी चाहिए।

गहन सोच

हाँ! इस बात से मैं भी सहमत हूँ कि अगर आपको जिस किसी भी काम के लिए छिपना पड़े या झूट बोलना पड़े तो वह काम सर्वथा गलत ही होता है।

2. अनुभव आधारित ज्ञान

चींटी	ततैया	दीपक	जुगनू
मकड़ी	बिच्छू	लीक	जू

कला समेकन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्रपूरा करके एसमें रंग भरें।

8. रक्षाबंधन

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) भाई-बहन का एक अन्य दूसरा प्रमुख त्योहार-भईया दुईज है।

(ख) रक्षाबंधन का आयोजन श्रावण की पूर्णिमा तिथि को होता है, जब भाई-बहन एक-दूसरे के साथ विशेष रूप से बधाई आशीर्वाद और उपहार का आदान-प्रदान करते हैं। बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बाँण्ती है जिसे वे उसकी सुरक्षा का प्रतीक मानते हैं। भाई बहन को उपहार देते हैं और उन्हें आशीर्वाद देते हैं।

2. अनुभव आधारित ज्ञान

परियोजना-कार्य

छात्र/छात्राएँ पूजास्थलों का चित्रचार्ट-पेपर पर चिपकाएँ।

3. कला समेकन

होली क्रिसमस पोंगल दीपावली

9. लाल बुझक्कड़

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) चील बार-बार बीट करती थी राजा पालकी से इयलिए बीर निकलवाता था, क्योंकि एक चील आसमान में पालकी के ऊपर लगाने के साथ ही बोलती जाती थी-''पीप पीप...प्र-र-रा'' पंछी देखने के लिए राजा अपना सिर पालकी से बाहर निकालता था।

(ख) राजा और कहानी सुनने वाला दोनों व्यक्ति मूर्ख था यह सहना सही है। व्यक्ति के साथ ही राजा भी मूर्ख था जो बार-बार चील के इस प्रकार करने पी नाराज नहीं होता था बल्कि कपड़े और तलवार पुनः

माँगा तथा अंत में सिर पर चील द्वारा बीट करने पर अपना सिर ही तलवार से काट डाला। ऐसे व्यक्ति को मूर्ख नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे।

गहन सोच

(क) लाल बुझक्कड़ से वादा हारने के बाद उस आदमी ने अपना शौक नहीं त्यागा था, क्योंकि जिसको जो आदत होती है वह कभी नहीं जाती। इस लिए कहा गया है कि हर चीज की दवा है लेकिन आदत की दवा नहीं है।

(ख) हाँ मै ऐसा मानता हूँ कि बिना जाने समझे किसी से वादा करना / शर्त लगाना गलत है क्योंकि आप को कभी भी किसी बड़ी परेशानी पर नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

2. विषय एकीकरण

शिक्षा प्रद कहानी हमउसे कह सकते हैं जिस कहानी से हमें प्रेरणाप्रद शिक्षा या मानवीय जीवन मूल्य सीखने को मिलता है यह कहानी किसी भी प्रकार कीहो सकती है जिससे हमें कोई न कोई शिक्षा या प्रेरणा प्राप्त होती है।

3. अनुभव आधारित ज्ञान

रचनात्मक गतिविधि

हाँ यह बिल्कुल सत्य है कि किसी भी कहानी वाचक से यदि हम या आप रोज रोज किसी कहानी को सुनाने के लिए कहें और पूरी कहानी सुनने के बाद हम उसे कहें कि–यह सच नहीं हो सकता तो उसे क्यों अच्छा लगेगा।

4. संचार आधारित

छात्र/छात्राएँ – गोनू झा तेनालीराम पर बीरबल की कोई भी कहानी पढ़ तथा कक्षा में अपने मित्रों के साथ चर्चा करें।

10. साहसी लड़की

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हाँ यह बिल्कुल सही है कि यदि मै पूजा की जगह होता तो मै भी अपने छोटे भाइयों को बचाने के लिए वही करता जो पूजा ने साहस

एवं बुद्धिमता का कार्य अपने भाइयों की जान बचाने के लिए किया।

(ख) हाँ मैं अपने घर में किसी अतिथि के आनक पर शिष्टापूर्वक उनसे यथायोग्य अभिवादन कर उनके लिए उपयुक्त स्वाल्पाहार भोजन आदि के साथ उनका पूरा मान-सम्मान एवं आथित्पकरता हूँ। मैं उनकी पूरी सुख-सुविधा का पूरा ध्यान भी रखता है।

गहन सोच

जिस प्रकार पूजा घर के कामों में माँ का मदद करती थी उसी प्रकार में अपनी माँ का घर के कामों में जितना हो सकता है चाहे घर के अंदर का काम हो या घर के बाहर का काम हो पूरी/पूरा मदद करता/करती हूँ।

2. संचार/संप्रेषण आधारित

छात्र/छात्राएँ शिष्टाचार विषय पर 40-50 शब्द में अपने विचार लिखें।

3. जीवन-कौशल एवं मूल्य

हाँ मैं भी अपने घर में अपने भाई-बहनों का पूरा ख्याल रखता/रखती हूँ। उनके खान पान पढ़ाई लिखाई संबंधित विभिन्न कामों में उनका पूरा पूरा ख्याल रखता/रखती हूँ।

4. अनुभव आधारित गतिविधि

छत्रपति शिवाजी, सुभष चंद बोस, सुखदेव, महाराणा प्रताप, योगेंद्र यादव, भगत सिंह

11. तड़-तड़ कंकड़

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हाँ यह बिल्कुल सही बात है कि यदि किसी बच्चे के माता-पिता न हो तो बच्चा शरारती हो जाता है इसका प्रमुख कारण है उसके आचार का घर में किसी का अनुशासन तथा नियंत्रण न रहना। ऐसे बच्चे स्वतंत्र हो जाते हैं तो वो अपने मन का कोई भी काम करने लगते हैं यदि उचित हो या अनुचित।

(ख) किसी की अनुमति के बिना किसी का भी सामान छूना या किसी का

सामान बिना उसकी अनुमति कं कोई भी लेना यह उचितनहीं है यह आपके सद्व्यवहार को नहीं दिखाता है।

गहन सोच

किसी भी व्यक्ति/जीव-जंतु को कंकड़ मारना सर्वथा अनुचित है। यह एक आपराधिक कार्य की श्रेणी में आता है अतः किसी भी व्यक्ति या जीव जंतु को कंकड़ मारना सर्वथा अनुचित है।

2. जीवन-कौशल एवं मूल्य

हाँ अगर हमारे पड़ोस के कुछ बच्चे किसी व्यक्ति/जीव-जंतु को कंकड़ मारते हैं में भी उन्हें ऐसा गलत कार्य न करने के लिए सरल शब्दों में समझाउँगा।

3. पर्यावरण शिक्षा

हाँ यह बिल्कुल सही बात है कि अपने आसपास के परिवेश को साफ-सुथरा रखना चाहिए। सड़क पर कंकड़ फेंककर गंदा करना गंदगी को बढ़ावा देता है यह सही है कि कंकड़ पत्थर न तो गलता ही में और न ही मिट्टी में मिलता है।

हमारे भारत के वर्तमान यशस्वि प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने भारत में स्वच्छ भारत 'अभियान' का शुभारंभ इसीलिए किया कि लोग अपने आस-पास साफ-सफाई का पूरा-पूरा ध्यान रखें उनके इस अभियान में पूरा-पूरा सहयोग करना चाहिए।

4. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र में उचित रंग भरें।

12. श्रम का महत्त्व

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हाँ मैं भी जानता हूँ कि श्रम से कल्पना पूरी होती है। मेहनत करने से ही अमीर की प्राप्ती होती है। अगर आप मेहनत नहीं करोगे तो आपको सफलता कैसे प्राप्त होगी।

(ख) हाँ! श्रम मेरे जीवन का भी मूल मंत्र है। मैं कर्म करने में विश्वास करता

हूँ। जीवन में सफलता कर्म करने से ही प्राप्त होती है। अतः सभी को कर्म अपनी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करना चाहिए।

गहन सोच

परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। मेरी दृष्टि में यह कथ्न सार्थक है। सफलता का मूलमंत्र कठिन परिश्रम है। निरंतर परिश्रम करते रहने से एक न एक दिन सफलजा अवश्य प्राप्त होती है। इसलिए व्यक्ति को परिश्रम करना ही चाहिए।

2. विषय संवर्धन गतिविधि

'आलस्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।' अगर जीवन में किसी को असफलता हाथ लगती है तो इसका मूल कारण उसका आलस्य ही है। विद्यार्थी अगर अपनी पढ़ाई में आलस्य करेगा नियमित रूप से पढ़ाई नहीं करेगा तो वह परीक्षा कक्ष में परीक्षा पुस्तिका में कुछ नहीं लिख पाएगा और वह परीक्षा में फेल हो जाएगा।

3. अभिकथन-कारण आधारित शिक्षण

(ग) कथन 'क' सही है तथा कारण 'ख' कथन 'क' की सही व्याख्या करता है।

4. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ नीचे दिए गए स्थान में बोझा ढोते श्रमिक का चित्र बनाकर उसमें उचित रंग भरें।

13. सच्चा मित्र

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हाँ! यह बिल्कुल सही है कि कोई बालक अपनी प्रतिभा के दम पर ही जीवन में आगे बढ़ता है। सफलता जीवन में तभी मिलता है जब आप कठिन मेहनत करते हैं। आप जितने भी सफल व्यक्ति का इतिहास पता करोगे तो आपको उनकी सफलता के पीछे उपकी अपनी प्रतिमा होती है जिसके दम पर वह जीवन में आगे बढ़ता है।

(ख) हाँ! यह बात बिल्कुल सही है कि-सच्चा मित्र संकट की घड़ी में

हमेशा आपका साथ देता है। यह सच्चे मित्र की पहचान है कि आपका सुख-दुख उसका सुरत-दुख होता है। आपके संकट की घड़ी में जो आपका हमेशा साथ दे वही सच्चे मायने में आपका शुभचिंतक और सच्चा मित्र है।

गहन सोच

हाँ यह बिल्कुल सही है कि यदि प्रधानाचार्य/अध्यापक यदि दोनों गरीब बालक रोहन जो कि लँगड़ा तथा अमन जो कि नेत्र विहीन अर्थात अंधा था को अपने विद्यालय में दाखिला नहीं देते तो दोनों ही बालक विद्यालय शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते।

2. जीवन-कौशल एवं मूल्य

मेरी कक्षा में पढ़ने वाला गरीब छात्र जो कि मेरा मित्र है उसके पास पढ़ने के लिए किताब नहीं है। मैं उसको पढ़ने के किताबें उपलब्ध कराउँगा जिससे कि उसको पढ़ाई में किसी भी प्रकार की असुविधाा का सामना करना पड़े। साथ ही उसकी अन्य जरूरतें पूरी करूँगा।

3. निर्णय लेना

दिव्यांग छात्रों रोहन और अमन ने तथा विद्यालय के अध्यायपकों ने सही समय पर सही निर्णय लिया। यह सही समय पर लिया गया सही निर्णय है। दिव्यांग छात्र रोहन और अमन ने आपसी सूझबूझ तथा वुद्धिमता से विद्यालय में पढ़ने का अवसर प्राप्त कर लिया यह उनकी त्वरित निर्णय क्षमता को दिखलाता है।

4. विषय संवर्धन गतिविधि

छात्र/छात्राएँ नेत्रहीनों से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उनके बारे में लिखें।

14. बताओ बुद्धिमान कौन

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हाँ! यह बिल्कुल सही है कि कोई भी छात्र अपनी प्रतिभा के दमपर ही जीवन में आगे बढ़ता है। बुद्धिमान छात्र अपनी बुद्धि के बल पर

जीतने के प्रत्येक क्षेत्र में हमेशा सफल होता जाता है।

(ख) किसी के प्रति मन में द्वेष भाव रखना या ईर्ष्या करना बिल्कुल भी सही नहीं है। जो इस प्रकार की भावना किसी के प्रति मन में रखता है वह किसी का भी प्रिय नहीं हो सकता और ऐसे लोगों को भी पसंद नहीं करता है।

गहन सोच

अध्यापकों को बुद्धिमान, परिश्रमी और अनुशासित छात्र ही प्रिय होते हैं। असभ्य, उद्दंड तथा अनुशासनहीन छात्रों को कोई भी अध्यापक पसंद नहीं करता है। बुद्धिमान व्यक्ति की सर्वत्र प्रशंसा होती है अध्यापक के लिए सभी छात्र समान होते हैं। वे किसी छात्र के प्रति कोई भी भेदभाव नहीं रखते। प्रणत द्वारा अध्यापक पर लगाया गया पक्षपात का आरोप गलत है। क्योंकि अंश एक बुद्धिमान छात्र था जिस कारण कक्षा के छात्रउससे ईर्ष्या करते थे। जबकि अंश की बुद्धिमता के कारण ही अध्यापक अंश का सम्मान करते थे।

2. विषय संवर्धन गतिविधि

राजा केवल अपने राज्य में ही पूजा जाता है जबकि विद्दवान व्यक्ति देश-विदेश सभी जगह पूजा जाता है तथा सभी लोग उसका मान सम्मान करते हैं।

3. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र का तीस (30) शब्दों में वर्णन करें।

15. सुदामा की मित्रता

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) मित्र के प्रति हमारे कर्तव्य

हमारी और मित्र की आपस में सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए। जिससे वह हमारे हानि-लाभ को अपना हानि-लाभ समझे और हम उसके हानि-लाभ को अपना।

(ख) मित्रता एक अनमोल रतन

जीवन के सफलता के मार्ग में यच्चे दोस्त हमेशा साथ देते हैं वे हमारे साथ खड़ेहोते हैं जब हम गिरते हैं। दोस्ती का मतलब एक-दूसरे के साथ खुशियों और दुखों को साझा करना। दोस्त वह है जो हमें ऐसे जैसे हम हैं, और हमें बदलने की कोशिश नहीं करता है। सच्चे दोस्त हमारे अनमोल रतन होते हैं, जो हमारे जीवन को चमकाते हैं।

गहन सोच

हाँ यह बात तो बिल्कुल सही है कि आदर्श मित्रता में श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। मित्रता में जाति-पाति धन-दौलत नहीं देखी जाती है मित्रता तो सच्चे और साफ हृदय से होती है। मित्रता का रिश्ता दुनिया में सबसे खूबसूरत होता है। मेरा एक मित्र है और मैं अपने मित्र से हृदय से लगाव रखता हूँ।

2. अनुभव आधारित ज्ञान

रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्रा स्वयं करें।

3. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ चित्र में उचित रंग भरें।

16. धरती का पानी

पाठ से

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) जल को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए क्योंकि जल ही जीवन है। जल जीवन दायिनी है। जल ही जिंदगी है। तभी तो मछली जल में ही जिंदा रहती है। जल से बाहर निकालते ही मछली मृतहो जाती है। जल मानव जीव-जंतु वृक्ष घटा सभी को जीवन दाता है। जल के बिना कुछ भी संभव नहीं है।

(ख) समुद्र, नदी, झील, तालाब के जल प्रदूषण को हम साफ सुथरा रख सकते हैं। इसके लिए हमें फैक्टरियों, कारखानों तथा शहर नगर के कूड़ा-कचरा को जल स्रोतों न डालकर उसे बाहर ही एकत्र करना

चाहिए उसे सुखाकर जला देना चाहिए। फैक्टरियों तथा कारखाना से निकलने वाला रासायनिक अपशिष्टसे हतारी जल संपदा प्रदूषित होती है। इसे जल में डालने से रोकने हेतु कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है।

गहन सोच

भूमि के अंदर से निकलने वाला जल का स्रोत सीमित है हमें इसके लिए जल संरक्षण प्रणाली को अपनाना चाहिए। पृथ्वी पर बढ़ने वाले जल को एक निर्धारित स्थान पर एकत्र कर उसे शुद्धिकरण कर पुनः जल को उपयोग हेतु बनाना चाहिए।

2. जीवन-कौशल एवं मूल्य

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. समस्या समाधान

ज़मीन के नीचे	
प्याज	शलगम
गाजर	आलू

ज़मीन के ऊपर	
करेला	टमाटर
लौकी	भिंडी